

महिला आरक्षण, यानी मोदी का एक और मास्टर स्ट्रोक

- विशेष सत्र में यह विधेयक पेश कर मोदी सरकार ने खींची बड़ी लकीर
- राजद, सपा और कई अन्य ने पहले किया था इस विधेयक का विरोध
- अब कांग्रेस और उसके सहयोगी दल इसका श्रेय लेने में जुट गये हैं

नये संसद भवन में पहुंचने के साथ ही मोदी सरकार ने महिला आरक्षण बिल, जिसे 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' का नाम दिया गया है को लोकसभा में पेश कर दिया है। इस बिल को कैबिनेट ने सोमवार को अपनी मंजूरी दे दी थी। यह बिल 2024 के लोकसभा चुनाव को देखने हुए बनाया गया है। इस बिल के जरिये पीएम मोदी ने देश की आवादी को संषोधन की कोशिश की है। इस बिल के कानून बनते ही लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीट आरक्षित होती है।

जायेगी। बिल के प्रावधानों के अनुसार आरक्षण का प्रावधान 15 वर्षों के लिए लागू होगा। उसके बाद इसकी अवधि बढ़ाने पर फैसला संसद को करना होगा। यह संविधान का 128वां संशोधन विधेयक है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के तहत एससी-एस्टी वर्ग की महिलाओं के लिए अलग से आरक्षण की कोई व्यवस्था नहीं है। उन्हें अनारक्षित सीटों पर ही

आजाद सिपाही विशेष

अलग से आरक्षण की व्यवस्था नहीं होगी, लेकिन जो सीटों एससी-एस्टी वर्ग के लिए अरक्षित हैं, उनमें से 33 प्रतिशत अब महिलाओं के लिए अलग से चुनाव लड़ना होगा। संसद के विशेष सत्र में इस विधेयक को पेश कर पीएम मोदी ने 2024 में होनेवाले लोकसभा चुनाव में भाजपा को बढ़ाव दिया है। जबकि कांग्रेस अब इस विधेयक का ब्रेय लेने की कोशिश करती है। उन्हें एससी-एस्टी वर्ग के लिए अरक्षित है, उनमें से 33 प्रतिशत अब महिलाओं के लिए अलग से आरक्षित होंगी। वहीं ओबीसी महिलाओं के लिए बिल में अलग से आरक्षण की कोई व्यवस्था नहीं है। उन्हें अनारक्षित सीटों पर ही

चुनाव लड़ना होगा। संसद के विशेष सत्र में इस विधेयक को पेश कर पीएम मोदी ने 2024 में होनेवाले लोकसभा चुनाव में भाजपा को बढ़ाव दिया है। कांग्रेस यह भल गयी है कि राजद और समाजवादी पार्टी समेत कई दलों, जो इस समय उसके सहयोगी हैं, ने इस विधेयक का विरोध किया था। क्या ही महिला आरक्षण विधेयक और क्या ही सकता है इसका असर, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवादाता राकेश सिंह।



राकेश सिंह

संसद भवन में कार्यवाही के पहले दिन लोकसभा में अपने वक्तव्य में यह भी कहा कि महिला आरक्षण विधेयक को खाली बार संसद में पेश किया जा चुका है, लेकिन महिलाओं को अधिकार देने, उनकी शक्ति का उपयोग करने के इस काम के लिए, इश्वर ने ऐसे कई पवित्र कार्यों के लिए मुझे चुना है।

सबसे पहले 1996 में देवगौड़ा सरकार ने पेश किया था महिला आरक्षण बिल

आरक्षण बिल

महिला आरक्षण बिल की यात्रा 27 साल पुरानी है और तब से महिलाएं अपनी इस मार्ग को पूरा करने के लिए जुड़ रही हैं। सबसे पहले 1996 में एचडी देवगौड़ा को सरकार ने इसे संसद में पेश किया था। उसके बाद अनेकांत हर सरकार ने इस बिल को संसद में पेश किया और पास कर दिया गया है। कांग्रेस को बिना किसी खोड़ी के महिला आरक्षण बिल को समर्थन करने का इच्छावाला असर दिया गया है। कांग्रेस ने बिना किसी खोड़ी के महिला आरक्षण बिल को समर्थन करने का इच्छावाला असर दिया गया है।

लोकसभा चुनाव में भाजपा को मात देने के लिए विषयी गठबंधन रणनीति बनाने में जुटे हुए हैं, लेकिन मोदी सरकार ने महिला आरक्षण विधेयक को 'मास्टर स्ट्रोक' चल कर विषयी खोड़ी को चारों ओर चिंता देता है। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत सीट आरक्षित होती है।

पहले भी कई बार पेश हो चुका था

महिला आरक्षण बिल

महिला आरक्षण विधेयक को पेश किये जाने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उनकी सरकार लोकसभा और राजद विधानसभाओं में महिला आरक्षण के प्रावधान बाले 'नारीशक्ति वंदन' के अधीन संसद के विशेष सत्र में पेश कर दिया गया है। कांग्रेस ने बिना किसी खोड़ी के महिला आरक्षण बिल को समर्थन करने का इच्छावाला असर दिया गया है।

राजीव गांधी ने सबसे पहले महिलाओं को आरक्षण देने की कही थी बात

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

राजीव गांधी ने सबसे पहले 1987 में एक कमेटी गठित कर

र



बार-बार याद आती है, उदय शंकर ओझा की

आजाद सिपाही संचादाता

रांची। राजधानी रांची को अपने किस सूपूर्ति की कमी आज भी खलती है। यदि इस बाबत एक सूची तैयार की जाये, तो उसमें उदय शंकर ओझा का नाम शीर्ष पर जरूर रहेगा। उदय शंकर ओझा को हमारे बीच से गये छह साल हो गये हैं, लेकिन आज भी रांची का चाप्चा-चाप्चा उड़ें याद करता है, हंडेर के ओझा ने उनकी कमी शिद्दत से महसूस होती है।

जब भी कभी राजधानी रांची में सांप्रदायिक तनाव की स्थिति बनती है, तो खासकर अल्पसंख्यक समुदाय के लोग उदय शंकर ओझा की कमी को महसूस करते हैं। भारी तनाव के बीच भी लोग याद करते हैं। रामनवमी या दुर्गा पूजा के अवसर पर वह खुद मेहनत करके अखाड़ा निकालते थे, खुद पूजा मंडल का निर्माण करते थे। रामायान के चुनाव में भी वह अपने बाबू के लिए भी जितने दिन भी रहे, उनका स्वागत कर नहीं बनायी थी, बल्कि समाज सेवा के लिए पर उड़ें प्रशासनिक महके में भी इजट मिलती थी। डोमिसाइल आंदोलन के समय उदय शंकर ओझा की भूमिका को आज भी लोग याद करते हैं।

उदय शंकर ओझा एक ऐसा नाम है, जिसने रांची के हर सामाजिक संगठन में सक्रिय

किंदा कर्म में सक्रिय योगदान दिया, लेकिन महज 55 वर्ष की अल्पायु में ही दुनिया को अलविदा कह गया। वहुत पुरानी कहावत है कि जीवन लंबा नहीं, बड़ा होना चाहिए। उदय शंकर ओझा ने इसे पूरी तरह चरितार्थ किया। वह जितने दिन भी रहे, हर दिन को पिछले दिन के मुकाबले बड़ा बना। छात्र राजनीति की भूटी से तप करनिकले उदय शंकर ओझा ने रांची के सामाजिक-राजनीतिक फलक पर ऐसी छाप छोड़ी, जिससे किसी को भी रक्ष हो सकता है।

वह 2002 का साल था, जब डोमिसाइल आंदोलन में पूरा झार्खंड जल उठा था। उदय शंकर ओझा आंदोलन के एक ध्वनि पर थे, लेकिन अपने विरोधियों के बीच भी उनका दी। हर राजनीतिक दल के लोग उनकी बात सुनते थे, उस पर मनन करते थे। इसलिए उस आंदोलन के दूसरे ध्वनि पर रहे

सातवीं पुण्यतिथि आज



नेता बंधु तिक्की से भी वह गले मिलते थे, उनकी बातें गंभीरता से सुनते थे। अपने मधुर व्यवहार और मीठी बोली के कारण उदय

शंकर ओझा समाज के हर वर्ग में

समान रूप से लोकप्रिय थे। वह काग्रेस का राजनीतिक कार्यक्रम हो या श्री महावीर मंडल का धार्मिक आयोजन, मोटिया मजदूरों का सामाजिक-व्यावसायिक मुद्दा हो या ट्रांसपोर्ट कारबाहियों को समस्या या पिर किसी मुहल्ले का सामाजिक विवाह, हर जगह उदय शंकर ओझा हमेशा नेतृत्व की भूमिका में मिलते थे। वह मार्डिया जगत में जितने लोकप्रिय थे, उन्हें ही राजनीतिक दलों में भी थे। वह उनकी शिखियत के कमाल ही था कि उनके एक आहवान पर हजारों मटिया मजहूर इकट्ठे हो जाते थे। इसलिए, वह हर आयोजन के केंद्र में होते थे।

उदय शंकर ओझा का रहन-सहन सरला साधारण था कि अक्सर किसी को विश्वास नहीं होता था। शराब-यासाहार से दूर रहते थे, लेकिन अपने सहयोगियों का पूरा ध्यान रखते

थे। उनके दिन की शुरुआत सत्र के शर्वत से होती थी और रात दूध-रोटी से। वह हमेशा माटी से अस्पताल पहुंचे थे। उनकी जांच करनेवाले डॉक्टर को भी आश्चर्य हुआ कि इतना गंभीर दौरा पड़ने के बावजूद मीरज खुद गाड़ी चला कर अस्पताल पहुंच गया। उस समय भी उदयशंकर ओझा के चेहरे पर शिकन नहीं ही।

उदय शंकर ओझा का व्यवहार, उनका रहन-सहन, उनकी बेबाकी उन्हें खुदरे नेताओं की जमात से अलग करती थी, क्योंकि उनके दिल में रांची बसती थी और उस रांची का एक जीवंत समाज, जिसमें न कोई छोटा था न बड़ा, न कोई अपीर था और न गरीब, न कोई इस्पाताल पहुंचे और न बतायी। उन्हें मेडिका अस्पताल में दर्द उठा, तो उस समय भी उन्होंने किसी की मदद नहीं ली। वह खुद अपनी गाड़ी चलाते हुए मेडिका अस्पताल पहुंचे और न बतायी। उन्हें मेडिका अस्पताल संतुष्ट किया गया। यह दोपहर संस्कृतावाद का रहन-सहन साधारण था। उदय शंकर ओझा के निधन की खबर मिलने के बाद जितने लोग अस्पताल उनकी बातें, उनके काम और पहुंचे थे, उन्हें शायद किसी अन्य मौके पर नहीं जमा हुए थे। सीने

महत्वपूर्ण न्यूज़

कृष्णा नगर कॉलोनी में गणेश पूजा का आयोजन



रांची (आजाद सिपाही)। नेहरू गाल यत्क संघ पूजा समिति ने कृष्णा नगर कॉलोनी में भव्य पूजा का आयोजन किया है। पैडिंट उपरोक्तम दास गोसामी और पैडिंट राधेश्याम गोसामी के द्वारा वैदिक मंत्र उत्तरायण के साथ विधि विधान से पूजा की गयी और पूजापालन का उद्घाटन रांची की विद्याधर सीपी सिंह ने किया। इस अवसर पर जीवंती प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सनाचारण सिंह, रमेश सिंह, नंदकिशोर ओझा, हरविंदर सिंह बेंदी, श्रीम प्रभाकर, अशोक यादव, राज श्रीवास्तव, रवींद्र शर्मा, देवेंद्र शर्मा, बसंत दास, सुर्य प्रभात, अरुण जसूज उपरायि हुए। शाम 7:00 बजे जान देव मिश्रा के द्वारा वैदिक मंत्र उत्तरायण के साथ किया गया। यह उपरायि उत्तरायण का विरतन किया गया। 20.9.23 बुधवार को शाम 7:00 बजे भजन संध्या से श्री दुर्गा जागरण मंडली और मां भवानी ज्योति सेवा मंडल के द्वारा भजनों का कार्यक्रम किया जायेगा। उक्त उत्तरायण अदास और भंडारा का भी आयोजन किया जायेगा। दूहूर विवाह को भव्य विवाह शोभायात्रा की जायेगी, जो कृष्णनगर कॉलोनी की विविन्दल गलियों से होते हुए अपर बाजार से लौटे हुए लाइन टैक द्वारा तात्पर में विवरित होती है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में हर्ष ओझा, रवींद्र शर्मा, देवेंद्र शर्मा, बसंत दास, सुर्य प्रभात, अरुण जसूज उपरायि हुए। शाम 7:00 बजे जान देव मिश्रा के द्वारा वैदिक मंत्र उत्तरायण के साथ किया गया। उक्त उत्तरायण महाभाग का विरतन किया गया। 20.9.23 बुधवार को शाम 7:00 बजे भजन संध्या से श्री दुर्गा जागरण मंडली और मां भवानी ज्योति सेवा मंडल के द्वारा भजनों का कार्यक्रम किया जायेगा। उक्त उत्तरायण अदास और भंडारा का भी आयोजन किया जायेगा। दूहूर विवाह को भव्य विवाह शोभायात्रा की जायेगी, जो कृष्णनगर कॉलोनी की विविन्दल गलियों से होते हुए अपर बाजार से लौटे हुए लाइन टैक द्वारा तात्पर में विवरित होती है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में हर्ष ओझा, रवींद्र शर्मा, देवेंद्र शर्मा, बसंत दास, सुर्य प्रभात, अरुण जसूज उपरायि हुए। शाम 7:00 बजे जान देव मिश्रा के द्वारा वैदिक मंत्र उत्तरायण के साथ किया गया। उक्त उत्तरायण महाभाग का विरतन किया गया। 20.9.23 बुधवार को शाम 7:00 बजे भजन संध्या से श्री दुर्गा जागरण मंडली और मां भवानी ज्योति सेवा मंडल के द्वारा भजनों का कार्यक्रम किया जायेगा। उक्त उत्तरायण अदास और भंडारा का भी आयोजन किया जायेगा। दूहूर विवाह को भव्य विवाह शोभायात्रा की जायेगी, जो कृष्णनगर कॉलोनी की विविन्दल गलियों से होते हुए अपर बाजार से लौटे हुए लाइन टैक द्वारा तात्पर में विवरित होती है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में हर्ष ओझा, रवींद्र शर्मा, देवेंद्र शर्मा, बसंत दास, सुर्य प्रभात, अरुण जसूज उपरायि हुए। शाम 7:00 बजे जान देव मिश्रा के द्वारा वैदिक मंत्र उत्तरायण के साथ किया गया। उक्त उत्तरायण महाभाग का विरतन किया गया। 20.9.23 बुधवार को शाम 7:00 बजे भजन संध्या से श्री दुर्गा जागरण मंडली और मां भवानी ज्योति सेवा मंडल के द्वारा भजनों का कार्यक्रम किया जायेगा। उक्त उत्तरायण अदास और भंडारा का भी आयोजन किया जायेगा। दूहूर विवाह को भव्य विवाह शोभायात्रा की जायेगी, जो कृष्णनगर कॉलोनी की विविन्दल गलियों से होते हुए अपर बाजार से लौटे हुए लाइन टैक द्वारा तात्पर में विवरित होती है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में हर्ष ओझा, रवींद्र शर्मा, देवेंद्र शर्मा, बसंत दास, सुर्य प्रभात, अरुण जसूज उपरायि हुए। शाम 7:00 बजे जान देव मिश्रा के द्वारा वैदिक मंत्र उत्तरायण के साथ किया गया। उक्त उत्तरायण महाभाग का विरतन किया गया। 20.9.23 बुधवार को शाम 7:00 बजे भजन संध्या से श्री दुर्गा जागरण मंडली और मां भवानी ज्योति सेवा मंडल के द्वारा भजनों का कार्यक्रम किया जायेगा। उक्त उत्तरायण अदास और भंडारा का भी आयोजन किया जायेगा। दूहूर विवाह को भव्य विवाह शोभायात्रा की जायेगी, जो कृष्णनगर कॉलोनी की विविन्दल गलियों से होते हुए अपर बाजार से लौटे हुए लाइन टैक द्वारा तात्पर में विवरित होती है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में हर्ष ओझा, रवींद्र शर्मा, देवेंद्र शर्मा, बसंत दास, सुर्य प्रभात, अरुण जसूज उपरायि हुए। शाम 7:00 बजे जान देव मिश्रा के द्वारा वैदिक मंत्र उत्तरायण के साथ किया गया। उक्त उत्तरायण महाभाग का विरतन किया गया। 20.9.23 बुधवार को शाम 7:00 बजे भजन संध्या से श्री दुर्गा जागरण मंडली और मां भवानी ज्योति सेवा मंडल के द्वारा भजनों का कार्यक्रम किया जायेगा। उक्त उत्तरायण अदास और भंडारा का भी आयोजन किया जायेगा। दूहूर विवाह को भव्य विवाह शोभायात्रा की जायेगी, जो कृष्णनगर कॉलोनी की विविन्दल गलियों से होते हुए अपर बाजार से लौटे हुए लाइन टैक द्वारा तात्पर में विवरित होती है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में हर्ष ओझा, रवींद्र शर्मा, देवेंद्र शर

संपादकीय

महिला आरक्षण विधेयक

सं सद का विशेष सत्र इस मायने में ऐतिहासिक हो या कि केंद्र सरकार ने इसमें महिला आरक्षण विधेयक लाने का फैसला किया है। सोमवार को सब शुरू होने पर कांग्रेस ने यह मायग उठायी कि सरकार इसी सत्र में महिला आरक्षण विधेयक लाने का संसद और विधानसभाओं में उनके लिए एक आरक्षण की व्यवस्था लागू कराये। एक दिन पहले हुई सर्वदलीय बैठक में भी यह मुद्रा प्रसूतियां से उठा। न सिंक एक्रेस और द्विदेश गठबंधन से जुड़े दलों ने बलिक एकाई से जुड़े बीजेडी और एन्सीपी (अजित पवार गुट) जैसी पार्टीयों ने भी इस मायग पर जारी दिया। मतलब यह कि अगर कोई अजूना न हुआ तो यह महत्वपूर्ण विधेयक इस सत्र में आसानी से पारित होकर कानून का रूप ले लेग ध्यान रहे, वह बिल पास करने को पहली कांसिश 1996 में हुई थी। हालांकि इन तीन दलों में न केवल समाज में महिलाओं की स्थिति बदली, बल्कि खुद राजनीति में भी व्यापक बदलाव आया है। तीव्रन जो छोड़े दल इसके विरोध में थे, उससे जुड़े सदस्यों ने जबर्दस्त हंगामा किया, यहाँ तक कि बिल की प्रतिवाय छोड़ कर फाड़ दी गयी। उस रिति में विधेयक संसद में पेश ही नहीं किया जा सका। भाना जा रहा था

पिछले करीब तीन दशकों के दौरान न केवल समाज में महिलाओं की स्थिति बदली, बल्कि खुद राजनीति में भी व्यापक बदलाव आया है। जीवन के हर क्षेत्र में जीवित होती है, उन्होंने खुद को सशक्त बनाया है।

हासिल था। यही मुख्य वजह रही कि कांसिश 27 साल से सभी प्रमुख दलों की सहभागिता के बावजूद यह विधेयक कानून नहीं बन सका। मगर पिछले करीब तीन दशकों के दौरान न केवल समाज में महिलाओं की स्थिति बदली, बल्कि खुद राजनीति में भी व्यापक बदलाव आया है। जीवन के हर क्षेत्र में जीवित होती है, उन्होंने खुद को सशक्त बनाया है। यहाँ तक कि चुनाव में भागीदारी के मामले में भी उन्होंने पुरुषों को पीछे छोड़ दिया है। इस लिहाज से 209 लोकसभा जगत के खास माना जा सकता है। इन चुनावों में पहली बार महिला चोट की संख्या पुरुष वोटरों से ज्यादा हो गयी। जाहिर है, राजनीति ज्यादा समय तक इन बदलावों की अनदेखी नहीं कर सकती। लेकिन यह बात भी ध्यान में रखने वाली है कि महिला सशक्तीकरण का सीधा संबंध विकास की एप्टर से होता है और राजनीतिक भागीदारी एवं नीति निर्माण में प्रत्यक्ष भूमिका महिला सशक्तीकरण के सबसे प्रभावी उपाय है। ऐसे में इस बिल को आपातकालीन रूप से बदला देना चाहिए। अपने 2023 के घोषणा पर महिला-पुरुष समानता को केंद्रीय विषय के रूप में शामिल करने की जी-20 का सर्वसम्मत निर्णय दिलाया भर के

अभिमत आजाद सिपाही

भारत की अध्यक्षता में जी-20 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'अनुत्काल' के विजन से प्रेरित हरा, जहाँ अर्थव्यवस्था और समाज के सभी की जगह, अपना ध्यान 'महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास' पर केंद्रित किया।

जी-20 में महिलाओं को सशक्त बनाने पर सर्वसम्मति



इंद्रविर पाठडे



वैश्विक राजनीतिक एवं कूटनीतिक परिवर्ष में कृच्छण ऐसे भी आते हैं, जो आशा और उन्नति की किरण साबित होते हैं। जी-20 नेताओं का वर्ष 2023 का नया दिल्ली घोषणा पर ऐसी ही एक युगांतरकी घटना है, जो दुनिया भर में महिला-पुरुष समानता तथा लड़कियों और महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति ऐतिहासिक प्रतिबद्धता व्यक्त करता है। भारत की अध्यक्षता में जी-20 के नेताओं ने जी-20 महिला मत्रिसंरीय सम्मेलन का समर्थन करते हुए महिलाओं के सशक्तिकरण से संबंधित एक कार्य समूह के गठन पर सहमति प्रकट की। यह उपलब्धि महिला-पुरुष समानता के महत्व को स्वीकार करने और वैश्विक स्तर पर महिला-पुरुष असमानताओं को दूर करने की तकाल ध्यान देने योग्य आवश्यकता को गहन रूप से प्रतिव्यनित करती है।

भारत की अध्यक्षता में जी-20 प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी के 'अनुत्काल' के विजन से प्रेरित होता है, जो अर्थव्यवस्था और समाज के सभी क्षेत्रों में 'नारी शक्ति' को सराहा जाता है। इस लिहाज के हर कार्य की जगह, अपना ध्यान 'महिला ओं के नेतृत्व वाले विकास' पर केंद्रित किया।

महिला - पुरुष समानता के पश्चात दलों में से इस महिला-पुरुष मुद्रे को वैश्विक एजेंसी में सबसे आगे लाने का प्रयास करते आये हैं। उनकी यह यात्रा लंबी और चुनावी रूपरूप रही है और उन्हें इस रास्ते में अनेक अड़चों का सामना करना पड़ा है। अपने 2023 के घोषणा पर महिला-पुरुष समानता को केंद्रीय विषय के रूप में शामिल करने की जी-20 का सर्वसम्मत निर्णय दिलाया भर के

देशों को अपनी बातों को सिद्ध करने की युनौती देता है नयी दिल्ली घोषणा पर

नेताओं, सरकारों, सिविल सोसाइटी और हितधारकों के अथक प्रयासों और अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय दुनिया भर में महिलाओं के समक्ष आने वाले सबसे प्रसारित युगों पर महिला-पुरुष समानता के महत्व को स्वीकार करने और वैश्विक स्तर पर महिला-पुरुष असमानताओं को दूर करने की तकाल ध्यान देने योग्य आवश्यकता को गहन रूप से प्रतिव्यनित करती है।

भारत की अध्यक्षता में जी-20 प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी के 'अनुत्काल' के विजन से प्रेरित होता है, जो अर्थव्यवस्था और समाज के सभी क्षेत्रों में 'नारी शक्ति' को सराहा जाता है। इस लिहाज के हर कार्य की जगह, अपना ध्यान 'महिला ओं के नेतृत्व वाले विकास' पर केंद्रित किया।

महिला - पुरुष समानता के पश्चात दलों में से इस महिला-पुरुष मुद्रे को वैश्विक एजेंसी में सबसे आगे लाने का प्रयास करते आये हैं। उनकी यह यात्रा लंबी और चुनावी रूपरूप रही है और उन्हें इस रास्ते में अनेक अड़चों का सामना करना पड़ा है। अपने 2023 के घोषणा पर महिला-पुरुष समानता को केंद्रीय विषय के रूप में शामिल करने की जी-20 का सर्वसम्मत निर्णय दिलाया भर के

नेताओं, सरकारों, सिविल सोसाइटी और हितधारकों के अथक प्रयासों और अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय दुनिया भर में महिलाओं के समक्ष आने वाले सबसे प्रसारित युगों पर महिला-पुरुष समानता के महत्व को स्वीकार करने और वैश्विक स्तर पर महिला-पुरुष असमानताओं को दूर करने की तकाल ध्यान देने योग्य आवश्यकता को गहन रूप से प्रतिव्यनित करती है।

भारत की अध्यक्षता में जी-20 प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी के 'अनुत्काल' के विजन से प्रेरित होता है, जो अर्थव्यवस्था और समाज के सभी क्षेत्रों में 'नारी शक्ति' को सराहा जाता है। इस लिहाज के हर कार्य की जगह, अपना ध्यान 'महिला ओं के नेतृत्व वाले विकास' पर केंद्रित किया।

महिला - पुरुष समानता के पश्चात दलों में से इस महिला-पुरुष मुद्रे को वैश्विक एजेंसी में सबसे आगे लाने का प्रयास करते आये हैं। उनकी यह यात्रा लंबी और चुनावी रूपरूप रही है और उन्हें इस रास्ते में अनेक अड़चों का सामना करना पड़ा है। अपने 2023 के घोषणा पर महिला-पुरुष समानता को केंद्रीय विषय के रूप में शामिल करने की जी-20 का सर्वसम्मत निर्णय दिलाया भर के

नेताओं, सरकारों, सिविल सोसाइटी और हितधारकों के अथक प्रयासों और अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

महिला - पुरुष समानता के पश्चात दलों में से इस महिला-पुरुष मुद्रे को वैश्विक एजेंसी में सबसे आगे लाने का प्रयास करते आये हैं। उनकी यह यात्रा लंबी और चुनावी रूपरूप रही है और उन्हें इस रास्ते में अनेक अड़चों का सामना करना पड़ा है। अपने 2023 के घोषणा पर महिला-पुरुष समानता को केंद्रीय विषय के रूप में शामिल करने की जी-20 का सर्वसम्मत निर्णय दिलाया भर के

नेताओं, सरकारों, सिविल सोसाइटी और हितधारकों के अथक प्रयासों और अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

महिला - पुरुष समानता के पश्चात दलों में से इस महिला-पुरुष मुद्रे को वैश्विक एजेंसी में सबसे आगे लाने का प्रयास करते आये हैं। उनकी यह यात्रा लंबी और चुनावी रूपरूप रही है और उन्हें इस रास्ते में अनेक अड़चों का सामना करना पड़ा है। अपने 2023 के घोषणा पर महिला-पुरुष समानता को केंद्रीय विषय के रूप में शामिल करने की जी-20 का सर्वसम्मत निर्णय दिलाया भर के

नेताओं, सरकारों, सिविल सोसाइटी और हितधारकों के अथक प्रयासों और अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

महिला - पुरुष समानता के पश्चात दलों में से इस महिला-पुरुष मुद्रे को वैश्विक एजेंसी में सबसे आगे लाने का प्रयास करते आये हैं। उनकी यह यात्रा लंबी और चुनावी रूपरूप रही है और उन्हें इस रास्ते में अनेक अड़चों का सामना करना पड़ा है। अपने 2023 के घोषणा पर महिला-पुरुष समानता को केंद्रीय विषय के रूप में शामिल करने की जी-20 का सर्वसम्मत निर्णय दिलाया भर के

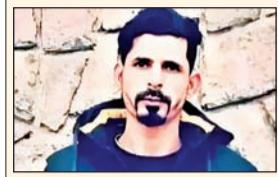
नेताओं, सरकारों, सिविल सोसाइटी और हितधारकों के अथक प्रयासों और अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

महिला - पुरुष समानता के पश्चात दलों में से इस महिला-पुरुष मुद्रे को वैश्विक एजेंसी में सबसे आगे लाने का प्रयास करते आये हैं। उनकी यह यात्रा लंबी और चुनावी रूपरूप रही है और उन्हें इस



चूज रील्स

लश्कर-ए-तैयबा
आतंकी उज़ैर
खान मारा गया



श्रीनगर। कश्मीर के अंतर्नाग में मुठभेड़ के साथें दिन लश्कर-ए-तैयबा (एलइटी) आतंकी उज़ैर खान मारा गया। कश्मीर पुलिस ने मंगलवार 19 सिंतंबर को इसकी पुष्टि की। सुरक्षाकारों ने उज़ैर खान का शव बरामद किया है। एकीजीपी कश्मीर विजय कुमार ने बताया कि उज़ैर के अलावा एक और बांडी देखी गयी है। तीसरे आतंकी का भी शव मिलने की संभावना है। एकार्डर साइट पर सर्च ऑपरेशन आई जारी है।

नूह हिंसा के आरोपी कांग्रेस विधायक को जेल

चौटीगढ़। हरियाणा में हुई नूह हिंसा के मामले में गिरफ्तार हुए फिरोजपुर फ़िराक से कांग्रेस विधायक मामन खान को सीजे और जोगड़ सिंह की कोर्ट ने उनको 14 दिन की व्यापिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश दिया। मामन जी ने जांच कर रही इंस्टिट्यूशन टीम का आरोप है कि कांग्रेस विधायक मामन खान सहयोग नहीं कर रहे हैं।

शालू जिंदल इंटरनेशनल वुमन ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित

आजाद सिपाही संचादाता

भवनश्वर। जेएपीसी फाउंडेशन की अव्यक्त शालू जिंदल को शिकायों में भारतीय दूवावास के सहयोग से डॉटार्डबल्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित स्वदेशी मेला भारतीय अमेरिकी व्यापार मेले में अंतर्राष्ट्रीय महिला पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह पुरस्कार ऑडिशा, छत्तीसगढ़, झारखण्ड और पूर्व भारत के ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में 10 मिलियन लोगों के जीवन को प्रभावित करने वाले सामाजिक परिवर्तन में उनके उक्तकृष्ण योगदान के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराया। उन्हें यह पुरस्कार यात्रा भर में भारतीय नृत्य और संस्कृति पर वैशिख जागरूकता के लिए भी अपना नाम कमाया है। उन्होंने राष्ट्रीय बाल भवन के अव्यक्त और यंग फ़िक की के संरचनाक अव्यक्त के रूप में भी काम किया है। वर्षभाग में वह अपें परिवर्तन के लिए अपनी जिंदल मुख्य रूप से छत्तीसगढ़, ऑडिशा और झारखण्ड और भारत के अन्य क्षेत्रों में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, कौशल विकास और व्यवस्था और भारत में लोगों की महिला सशक्तिकरण और जीवन शैली को और समृद्ध करने के क्षेत्रों में सम्मानित किया गया है।



के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराया। उन्हें यह पुरस्कार यात्रा भर में भारतीय दूवावास के लिए अपनी जीवन को सामाजिक प्रयोगसाथी के अलावा, जिंदल ने दुवावा भर में भारतीय नृत्य और संस्कृति पर प्रतिवाहित करने के लिए 18 सिंतंबर को क्रोसान्य जान विहार के साथ राजभाषा प्रश्नोत्तरी

विभिन्न कार्यक्रम चला रही हैं। उनके सामाजिक विकास प्रयोगसाथी ने लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित किया है और कई लोगों के लिए प्रेरणा बने हैं। अपने मानवीय अमेरिकी व्यापार मेले में अंतर्राष्ट्रीय महिला पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह पुरस्कार ऑडिशा, छत्तीसगढ़, झारखण्ड और पूर्व भारत के ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में 10 मिलियन लोगों के जीवन को प्रभावित करने वाले सामाजिक परिवर्तन में उनके उक्तकृष्ण योगदान के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराया। उन्होंने राष्ट्रीय बाल भवन के अव्यक्त और यंग फ़िक की के संरचनाक अव्यक्त के रूप में भी काम किया है। वर्षभाग में वह अपें परिवर्तन के लिए अपनी जिंदल मुख्य रूप से छत्तीसगढ़, ऑडिशा और झारखण्ड और भारत के अन्य क्षेत्रों में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, कौशल विकास और व्यवस्था और भारत में लोगों की महिला सशक्तिकरण और जीवन शैली को और समृद्ध करने के क्षेत्रों में सम्मानित किया गया है।

कनाडा की हिमाकत का भारत ने दिया जवाब कनाडा राजनयिक को देश से निकाला राजदूत को भी तलब कर मांग जवाब

आजाद सिपाही संचादाता

नयी दिल्ली। खालिस्तान के मामले में कनाडा और भारत के बीच तनाव बढ़ाता जा रहा है। कनाडा ने भारतीय राजनयिक को देश से निकलने का आदेश दिया था और उसके जवाब में भारत ने भी कड़ा ऐवशन लिया है। विदेश मंत्रालय ने कनाडा के राजदूत को तलब किया और फिर एक सीनियर डिप्लोमेट के देश छोड़ने का आदेश दिया है। कनाडा के डिप्लोमेट को अमाले 5 दिनों के अंदर भारत से लौटने को कहा गया है। भारत ने कनाडा के जिस अधिकारी को देश से बाहर जाने को कहा है। उसका नाम ओलिवियर सिल्वस्टर है। ओलिवियर भारत में कनाडा की खुफिया एजेंसी के स्टेनांग चौकथे। भारत सरकार का कहना है कि कनाडा अपनी धरनी की साजिश हो सकती है। पूरा मामला खालिस्तानी आतंकी निजर की मौत की जांच पर लागू करने में असफल रहा है।

यही नहीं, खुलेआम उनकी दिल्ली में बाल भवन के बाद भारत के आंतरिक मामलों में कनाडाई राजनयिकों के हत्याकांश और भारत विरोधी गतिविधियों में उनकी भारीदारी पर भारत सरकार की बढ़ती चिंता को दिखाती है।

कनाडा पीएम टूडो के सुर नरम पट्टे

भारत की नाराजगी के बाद कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो के सुर नरम पट्टे गये हैं अब उन्होंने कहा है कि हम भारत को उक्साने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। हम बस इतना चाहते हैं कि भारत इस मामले को भूमीकृता ले। दरअसल, कनाडा के प्रधानमंत्री ने आरोप लाया था कि हरप्रीत सिंह निजर की हत्या को पीछे भारत सरकार की साजिश हो सकती है। पूरा मामला खालिस्तानी आतंकी निजर की मौत की जांच पर लागू करने में असफल रहा है।

पार्श्चम बंगाल में 14 करोड़ के सोने के बिस्कूट जब्त

कोलकाता (आजाद सिपाही)। पार्श्चम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में बांग्लादेश सीमा के पास 14 करोड़ रुपये के सोने के बिस्कूट जब्त किये गये। अधिकारियों ने कहा कि मंगलवार को एक खुफिया सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए बीएसप्रेस जवानों ने बांग्लादेश थाना क्षेत्र के रेनघाट गांव में एक मोटरसाइकिल को रोकी। मोटरसाइकिल की तलाशी लेने पर उन्हें 23 किलोग्राम सोने के बिस्कूट मिले, जिनकी कीमत 14 करोड़ रुपये है। ये सोना बांग्लादेश से तस्करी कर लाया गया। मोटरसाइकिल को गिरफ्तार कर लिया गया है।

सभी को मिले रोजगार याही है हमारा प्रयास

ज्ञारखंड बिहार में हमारी सर्विस उपलब्ध है। संपर्क करें विजेनस को बढ़ायाएं नया विजेनस लगाएं काफी किफायती दरों पर लगाया जाता है। आसान किस्तों पर उपलब्ध।

50 जार प्री

टॉप व्हालिटी वाटर प्लांट सेटअप, शुद्ध पानी के साथ होगा फायद जबरदस्त

Call now

9431701163

9431701163

H-B ROAD KOKAR RANCHI JHARKHAND

एनटीपीसी कोयला खनन मुख्यालय में राजभाषा प्रश्नोत्तरी और हिंदी प्रस्तुति प्रतियोगिता आयोजित

आजाद सिपाही संचादाता

भवनश्वर। एनटीपीसी कोयला खनन मुख्यालय संयोग 14 से 29 सिंतंबर तक हिंदी पखवाड़ा मना रहा है। हिंदी का प्रचार-प्रसार करने के लिए अपने कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों गृहिणियों और बच्चों के बीच कई प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इस संबंध में हिंदी के बीच विभाग के बोर्ड अपने संबंधित विभाग के कार्यक्रम के लिए देखता है। उन्होंने राष्ट्रीय बाल भवन के अव्यक्त और यंग फ़िक की के संरचनाक अव्यक्त के रूप में भी काम किया है। वर्षभाग में वह अपें परिवर्तन के लिए अपनी जिंदल मुख्य रूप से छत्तीसगढ़, ऑडिशा और झारखण्ड और भारत के अन्य क्षेत्रों में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, कौशल विकास और व्यवस्था और भारत में लोगों की महिला सशक्तिकरण और जीवन शैली को और समृद्ध करने के क्षेत्रों में सम्मानित किया गया है।



प्रतियोगिता और 19 सिंतंबर को प्रतियोगिता की गयी। इसमें कर्मचारियों के बीच विभाग के कार्यक्रम के लिए देखता है। उन्होंने राष्ट्रीय बाल भवन के अव्यक्त और यंग फ़िक की के संरचनाक अव्यक्त के रूप में भी काम किया है। वर्षभाग में वह अपें परिवर्तन के लिए अपनी जिंदल मुख्य रूप से छत्तीसगढ़, ऑडिशा और झारखण्ड और भारत के अन्य क्षेत्रों में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, कौशल विकास और व्यवस्था और भारत में लोगों की महिला सशक्तिकरण और जीवन शैली को और समृद्ध करने के क्षेत्रों में सम्मानित किया गया है।

अर्थात् विषय, प्रस्तुति कोशल, रचनात्मकता, हिंदी भाषा दर्शकता और आत्मविकास से किया गया। हिंदी पखवाड़ा समारोह का प्रकाश कार्यक्रम है। इसका मूल्यांकन कई मानदंड

प्रतियोगिता और 19 सिंतंबर को प्रतियोगिता की गयी। इसमें कर्मचारियों के बीच विभाग के कार्यक्रम के लिए देखता है। उन्होंने राष्ट्रीय बाल भवन के अव्यक्त और यंग फ़िक की के संरचनाक अव्यक्त के रूप में भी काम किया है। वर्षभाग में वह अपें परिवर्तन के लिए अपनी जिंदल मुख्य रूप से छत्तीसगढ़, ऑडिशा और झारखण्ड और भारत के अन्य क्षेत्रों में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा